कबीर चिन्तन के विविध आयाम

डॉ. आशा यादव

कबीर की भक्ति-पद्धति, रहस्यवादिता, धार्मिक तथा सामाजिक-मान्यताएँ भी ऐसी हैं, जो सामान्य व्यक्ति की सीमाओं से उच्चतर भूमि पर हैं। कबीर के व्यक्तित्व का विश्लेषण करने के साथ ही उनकी मान्यताओं पर अनेक विद्वानों ने विचार विमर्श किया है। उनके धर्म और दर्शन के सम्बन्ध में गहन विचारों का विश्लेषण करने वाले विद्वान् कबीर को रहस्यवादी ठहराते हैं और साथ ही उच्च कोटि का भक्त कवि भी। वस्तुतः कबीर का व्यक्तित्व अनेक दृष्टिकोणों से बेजोड़ है।

कबीर भक्त थे, कवि और समाज सुधारक थे, मानवतावादी सत्पुरुष थे, धर्म, राजनीति, अर्थनीति और लोकजीवन की शिक्षा का उत्कृष्ट विधान उनके काव्य में प्रतीक और और प्रस्तुत योजना के माध्यम से बड़ी ही सूक्ष्मता के साथ अभिव्यंजित है। उनकी भाषा में विलक्षण शक्ति का स्रोत है। अनेक मनीषी विद्वान् उन्हें विविध रूपों में महात्मा, संत और महापुरुष होने के साथ महाकवि भी स्वीकार करते हैं।

कबीर के अप्रतिम व्यक्तित्व के इन विविध आयामों को एक ही पुस्तक में अधिकारी विद्वानों की रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत करने का हमारा यह अकिंचन प्रयास है।

कबीर चिन्तन के विविध आयाम

सम्पादिका

डॉ. आशा यादव

प्रकाशक :

कोशल पब्लिशिंग हाउस

फ़ैज़ाबाद

अनुक्रमणिका

1. मध्यकालीन लोकजागरण और कबीर 9–15
—प्रो. चौथीराम यादव
2. संत कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण 16–22
— डॉ. वासुदेव सिंह
3. आज का राजनीतिक-सामाजिक संकट और कबीर का काव्य 23–34
— श्रद्धा सिंह
4. लोक में रमे सन्त कबीर 35–43
— डॉ. विद्या विन्दु सिंह
5. हिन्दी काव्य में प्रतीक विधान प्रतीकों के विविध स्रोत और कबीर का काव्य 44–65
— डॉ. आशा यादव
6. कबीर के काव्य रूपकों में अभिव्यक्त समाज और दर्शन 66–85
— डॉ. शगुफ़्ता नियाज़
7. भक्ति आन्दोलन और कबीर 86–92
— डॉ. मीनू पाठक
8. कबीर की काव्य चेतना पर भारतीय चिन्तन परम्परा का प्रभाव 93–107
— डॉ. वर्षा रानी
9. कबीर की साधना-पद्धति 108–113
— डॉ. चन्द्रकान्त सिंह
10. कबीर के दार्शनिक विचार 114–121
— डॉ. हिमांशु शेखर सिंह
11. ''जनमुक्ति के अनुगायक : कबीर'' 122–128
— डॉ. शशिकला जायसवाल
12. कबीर साहित्य और समाज 129–136
— डॉ. तृप्तिरानी जायसवाल
13. कबीर के गायक 137–143
— डॉ. स्वरवन्दना शर्मा

14. कबीर के दार्शनिक विचार 144–151
– डॉ. अनुपम गुप्ता
15. सामाजिक सरोकार के कवि कबीर 152–159
– डॉ. सपना भूषण
16. कबीर व्यक्तित्व विश्लेषण और जीवन-दर्शन 160–163
– डॉ. सुषमा मौर्या
17. कबीर साहित्य और समाज 164–168
– डॉ. नीलम कुमारी
18. भक्ति आन्दोलन, स्त्री-मुक्ति और कबीर 169–175
– दीप्ति सिंह
19. समसामयिक परिवेश में कबीर 176–180
– दीप्ति सिंह
20. कबीर की प्रासंगिकता 181–186
– दीपा वर्मा
21. कबीर-साहित्य में लोकजीवन 187–192
– सुषमा
22. कबीर साहित्य और समाज 193–196
– डॉ. सन्तोष कुमार यादव
23. कबीर की सामाजिक चेतना 197–200
– श्रवण कुमार गुप्ता
24. कबीर साहित्य और समाज-दर्शन दृष्टिकोण 201–206
– ज्योति गुप्ता
25. कबीर के दार्शनिक विचार 207–209
– अजय कुमार मौर्य

❑❑❑

कला संगम

अलका गिरि

आगिकं भुवनं यस्य वाचिकं सर्ववाङ्मयम् ।
आहार्यं चन्द्रतारादि तं नुमः सात्त्विकं शिवम् ।।

ग्रन्थ के सन्दर्भ

प्रस्तुत पुस्तक "कला-संगम" कला विषयक विविध आलेखों का अनुपम व अनूठा संग्रह है। संगीत के तीनों अंगों-गायन, वादन एवं नर्तन के साथ ही अन्यान्य सम्बन्धित विषयों जैसे कला, इतिहास, मूर्तिकला, चित्रकला एवं साहित्य के विद्वानों, कलाकारों शिक्षकों के अनुभवों के साथ का एवं शोध छात्र-छात्राओं के तत्तत् कला सम्बन्धी गवेषणात्मक विचारों का गुम्फन इस पुस्तक में किया गया है। विविध रंग रूप और सुगन्ध वाले नवविकसित पल्लव और पुष्पों का यह गुच्छ संगीत की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती के चरणों में अर्पित करते हुए मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इनकी सुगन्ध से संगीत जगत् अवश्य ही आल्हादित होगा।

ISBN : 978-93-87199-25-5

ISBN : 978-93-87199-25-5

मूल्य : 500.00 रुपये

कला-संगम

सम्पादिका

अलका गिरि

2018

कला प्रकाशन

बी. 33/33 ए-1, न्यू साकेत कालोनी,
बी0 एच0 यू0, वाराणसी-5

अनुक्रम

समर्पण	... ...	iii
आशीर्वचन- प्रेमचन्द होम्बल	... ...	iv
आशीर्वचन- प्रो॰ बिरेन्द्र नाथ मिश्र	... ...	v
आशीर्वचन-डॉ॰ विधि नागर	... ...	vi
शुभाशंसा-प्रो॰ कृष्णकान्त शर्मा	... ...	vii
आभार	... ...	viii
प्राक्कथन	... ...	ix-x
संगीत : रागधर्म *डॉ॰ मीनू पाठक*	... ...	13-18
सङ्गीतरत्नाकर का नर्तनाध्याय : एक विवेचनात्मक अध्ययन *डॉ॰ शिवराम शर्मा*	... ...	19-35
कालिदास की रचनाओं में सांगीतिक सन्दर्भ *डॉ॰ स्वरवन्दना शर्मा*	... ...	36-48
करण एवं अङ्गहार तथा अडवु एवं कोरवै : एक तुलनात्मक अध्ययन *डॉ॰ लयलीना भट*	... ...	49-60
एलोरा का कलात्मक वैशिष्ट्य *डॉ0 शान्ति स्वरूप सिन्हा*	... ...	61-71
संगीत शिक्षण एवं रोजगार के अवसर : वर्तमान सन्दर्भ में *डॉ0 सुमन सिंह*	... ...	72-78
भारत से जावा तक : एक नृत्य-नाट्य यात्रा *डा0 अर्चना अग्रवाल (मिश्रा)*	... ...	79-84
दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में रामकथा की कलाभिव्यक्तियाँ *डा0 अर्चना अग्रवाल*	... ...	85-91
कथक नृत्य में तराना, चतुरंग एवं त्रिवट की प्रस्तुति	... ...	92-94

डॉ. आकांक्षा गुप्ता

छऊ नृत्य 95-104

भूमिकेश्वर सिंह

पढ़ंत का सौन्दर्य 105-108

अमित कुमार ईश्वर

अष्टछाप काव्य में नृत्य 109-112

अमित कुमार सिंह

कथक : रायगढ़ शैली की नृत्यगत विशेषताएँ 113-120

रूपा सिंह

बैले 121-126

माधुरी गौतम

भारतीय मूर्तिकला 127-131

श्री गणेश प्रसाद मिश्रा

दक्षिण भारतीय ताल पद्धति एवं पंच जाति भेद 35 प्रकार 132-135

सत्या गुप्ता

खजुराहों मूर्ति शिल्प में अंकित नृत्तरत गणेश : एक अवलोकन 136-141

श्रद्धा शुक्ला

झारखण्ड के लोकवाद्य 142-148

डॉ0 अनामिका कुमारी

Some Dancing Aspects as Depicted in Medieval Temple Art and Architecture 149-156

Dr. Abha Mishra Pathak

Living Sculptures of Odisha Temples in Odissi Dance 157-173

Smt. Pratibha Jena Singh

Impact of Media in Experimental Music 174-182

Gyan Singh Patel

A Systematic Review on Dancing Brain 183-191

Pratibha Singh

The Indian Renaissance and Swami Vivekananda

Editor :
Dr. Niharika Lal

About The Book

The contribution of Swami Vivekananda to Indian Renaissance is unfathomable. Belonging to a galaxy of social reformers, he strove to instill nationalistic fervour in the minds of Indians benumbed by the colonial onslaught. He worked unrelentilessly to uplift the marginalised, downtrodden, weaker sections of the society and drew the attention of the world to the rich heritage of India expecially the Vedic and Hindu tradition and philosophy. He staunchly advocated the equality of all religions and a study of his thoughts becomes pertinent in an age which is fraught by religious intolerance, erosion of values and a misconception regarding nation and nationalism.

The book is the outcome of the deliberations in a two-day national seminar held on March 17-18,2016 on The India Renaissance and Swami Vivekananda. It incorporate the insightful lectures by eminent resource persons and research papers focussing on the multi-dimensional personality of Swami Vivekananda and his immense contribution to the Indian nation. It is hoped that the book will be appreciated by the readers and further our understanding of Swami Vivekananda.

ISBN : 978-93-87199-44-6
9 7 8 9 3 8 7 1 9 9 4 4 6
ISBN : 978-93-87199-44-6
M.R.P. Rs. : 1100.00

The Indian Renaissance and Swami Vivekananda

Patron

Prof. Rachna Srivastava

Principal, Vasant Kanya Mahavidyalaya

Editor

Dr. Niharika Lal

2022

Kala Prakashan

B. 33/33 A-1, New Saket Colony,

B.H.U. Varanasi-221005

Contents

Acknowledgment		... ...	iii-iv
Foreword		... ...	v-vii
Preface		... ...	viii-xviii

Chapter No.	Chapter Name		Page No
1	**Why Study Swami Vivekananda** *Dr. Anirban Ganguly*	... ...	23-29
2	**Understanding Swami Vivekananda** *Prof. Sanjay Srivastava*	... ...	30-33
3	**भारत में पुनर्जागरण** *Prof. R.K. Mishra*	... ...	34-40
4	**शिक्षा का अर्थ एवं महत्व** *Prof. Geshe Nawang Santen*	... ...	41-46
5	**स्वामी विवेकानंद और राष्ट्रवाद** *प्रो0 रवि प्रकाश पाण्डेय*	... ...	47-52
6	**स्वामी विवेकानन्द और वेदान्त** *प्रो0 राजीव रंजन सिंह*	... ...	53-58
7	**विवेकानन्द का शिक्षा में योगदान** *प्रो0 कल्पलता पाण्डेय*	... ...	59-69
8	**स्वामी विवेकानन्द : घनीभूत भारत का पूर्णार्थ** *डॉ0 चंद्रकला त्रिपाठी*	... ...	70-72
9	**धर्म, शिक्षा और राष्ट्र** *प्रो0 रचना श्रीवास्तव*	... ...	73-82

10	**Vivekananda's Poetry : A Catharsis** *Dr.Bina Singh*	... ...	83-87
11	**Swami Vivekananda's Vision on Rural Development** *Dr. Kumud Ranjan*	... ...	88-103
12	**Relevance of Vivekananda for Inclusive Development of India** *Dr. Indu Upadhayay*	... ...	104-112
13	**Swami Vivekananda and Dr. Annie Besant** *Dr. Nairanjana Srivastava*	... ...	113-117
14	**Swami Vivekananda on Social Equality** *Dr. Anuradha Bapuly*	... ...	118-124
15	**Swami Vivekananda's Ideas and Philosophy of Education** *Mrs.Priyanka*	... ...	125-133
16	**The Nineteenth Century 'Indian Renaissance' and Swamiji's Spiritual Renaissance** *Partha Sarathi Nandi*	... ...	134-145
17	**Education For Social Reconstruction And Swami Vivekananda** *Dr. Vijaya Rao*	... ...	146-153
18	**The Indian Renaissance And Swami Vivekananda** *Yadavendra Dubey*	... ...	154-163
19	**An Unexplored Strand of a Monk: Relevance in the Contemporary Era of Intolerance** *Dr. Supriya Singh, Ramesh Singh*	... ...	164-170
20	**Swami Vivekananda's Concept of Womanhood** *Dr. Madhuri Agarwal*	... ...	171-174
21	**Swami Vivekananda and National Awakening** *Dr. Renu Srivastava*	... ...	175-179
22	**The Quest of a Nation : Vivekananda's Approach to Formulating a National Identity and Unity** *Dr. Purnima*	... ...	180-186

23 स्वामी विवेकानन्द का समाजवादी चिंतन एवं नव्य वेदान्त समाजवाद 187-190
डॉ. कल्पना आनन्द

24 युगद्रष्टा स्वामी विवेकानन्द 191-198
डॉ. दीप्ति सिंह

25 स्वामी विवेकानन्द : एक अज्ञात कवि 199-203
डॉ. सपना भूषण

26 स्वामी विवेकानन्द जी की धार्मिक दृष्टि 204-209
डॉ0 ममता मिश्रा

27 समकालीन समय में राष्ट्रवादी विमर्श एवं विवेकानन्द के विचार 210-213
डॉ0 शशिकेश कुमार गोंड

28 स्वामी विवेकानन्द की दृष्टि में मानव-एकता का आदर्श 214-224
अश्विनी कुमार

29 स्वामी विवेकानन्द के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता 225-235
त्रिभुवन मिश्र, अमित कुमार

30 स्वामी विवेकानन्द जी के दर्शन की धर्म विषयक अवधारणा 236-246
डॉ0 विभा रानी

31 भारत का नवनिर्माण : स्वामी विवेकानंद की दृष्टि 247-254
डॉ0 आशा यादव

32 स्वामी विवेकानंद की शिक्षा और अनहद नाद 255-262
डॉ0 मीनू पाठक

33 ऊर्जा स्त्रोत विवेकानन्द 263-269
डॉ0 पूनम पाण्डेय

34 स्वामी विवेकानन्द के आध्यात्मिक अनुगूँज में सांगीतिक स्वर 270-276
डॉ0 सीमा वर्मा

A Debate on Electoral Reforms in India : An Analysis

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

Editor-
Dr. Ashish Kumar Sonker

Publishers:
Kala Prakashan
B. 33/33 A-1, New Saket Colony,
B.H.U. Varanasi-5
Phone: 0542- 2310682
E-mail : kalaprakashanvns@yahoo.in

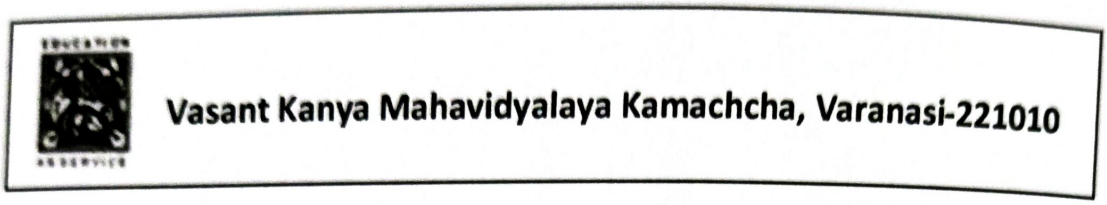

Based on ICSSR Sponsored National Seminar organized
on
17-18- September, 2018

© Edited by - **Dr. Ashish Kumar Sonker**

Patron - **Prof. Rachna Srivastava**
Principal, Vasant Kanya Mahavidyalaya

First Edition: 2020
ISBN: 978-93-87199-64-4
Price: Rs : 600.00 /-

Composed at:
Kala Computer Media
B. 33/33 A-1, New Saket Colony,
B.H.U. Varanasi-5
Phone: 0542- 2310682

Printed at:
Manish Printing Press
Saket Nagar Colony, B.H.U.,
Varanasi-221005

Contents

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ सं0
	प्राक्कथन	v-ix
	Principal's Note	x-xiv
1.	**प्रस्तावना– भारत में चुनाव सुधार : एक विश्लेषण** *डॉ0 आशीष कुमार सोनकर*	17-27
2.	**भारत में निर्वाचन सुधार** *श्री ओम प्रकाश रावत*	28-32
3.	**भारतीय चुनाव में मतदाता व्यवहार एवं उसके निर्धारिक तत्त्व : एक विवेचन** *डॉ0 मनोज कुमार सिंह*	33-39
4.	**चुनाव सुधार में विधि आयोग की भूमिका (2015 की रिपोर्ट)** *डॉ0 सरोज उपाध्याय*	40-45
5.	**भारत में चुनाव सुधार और गठबन्धन की सरकारें** *शैलेश कुमार राम*	46-54
6.	**निर्वाचन–लोकतन्त्र की आधार शिला** *डॉ0 अर्चना सिंह*	55-63
7.	**वाराणसी जनपद के आम चुनाव (सन् 2009 तथा 2014) में युवा दृष्टिकोण का एक तुलनात्मक अध्ययन** *उमेश कुमार राय व डॉ0 अल्का रानी गुप्ता*	64-71
8.	**राजनीतिक दल में आंतरिक लोकतंत्र** *ज्योत्सना कुमारी*	72-75
9.	**"वर्तमान परिदृश्य में चुनाव प्रणाली में समस्याएं एवं समाधान"** *डॉ0 पूनम राय*	76-79
10.	**भारतीय लोकतंत्र एवं चुनाव सुधार : एक विवेचनात्मक अध्ययन** *सन्तलाल भारती व पूजा सिंह*	80-86

11.	मतदाता जागरुकता गीत *डॉ0 स्वरवंदना शर्मा*	87-88
12.	मतदान की शक्ति (स्वरचित गीत) *डॉ0 मीनू पाठक*	89-90
13.	**ELECTORAL REFORMS : Significance, Scope and Necessity** *Dr. Subhash C. Kashyap*	91-104
14.	**One Nation One Election (Simultaneous Elections)** *Prof. Sonali Singh*	105-125
15.	**Confused Public Choice in Representative Democracy** *Dr. Indu Upadhyay*	126-138
16.	**Indian Political Parties' Democratic Claims and Intra Party Structure and Culture: Understanding the Paradox** *Dr. Priti Singh*	139-151
17.	**Internal Democracy in Political Parties & Women's Participation in India: A Study** *Dr. Manisha Mishra*	152-166
18.	**Transparency and Financial Accountability in State Funding** Dr. Vijay Kumar	167-179
19.	**Criminalization of Politics in India** *Dr. Akhilesh Kumar Rai*	180-192

•

अध्याय–12

मतदान की शक्ति

(स्वरचित गीत)

डॉ० मीनू पाठक*

1. तुममे है बुलंद वो हौसला,
बदलेगा जो देश का फैसला,
आज ये देश कराह रहा,
माँ की ममता चित्कार रही,
ऐसी ही विषम परिस्थिति में,
धरती माँ तुम्हें पुकार रही,
इस देश का परचम फहराकर,
इस देश का उत्थान करो,
मतदान.....

2. अधिकारों और कर्त्तव्यों के,
भेद जानना बाकी है
इस देश की सुप्तावस्था को,
अभी जगाना बाकी है,
भ्रष्टाचार के मकड़जाल में
उलझे सब मंत्रालय हैं,
पथदर्शक प्रेरक बनकर,
तुम अमर ध्वजा का मान करो,
मतदान.....

* एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत वाद्य विभाग, सितार वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी

3. ओ मतदाता जाग अभी,
चहुँओर का सुन यह आर्तनाद,
तासीर तेरे मतदान है
तकदीर जो देश की बदलेगी,
ओ मतदाता चिन्तन कर,
अन्तरप्रज्ञा को जागृत कर,
प्रयोगधर्मी मतदाता,
अन्तश्चेतना प्रसार करो।
मतदान.....

●